विनोबा भावे विश्वविद्यालय

हजारीबाग (झारखण्ड)

पाठयक्रम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) – 2020

स्नातक खोरठा (FYUGP)

रूचि आधारित साख पद्धति

(CBSE)

प्रथम पत्र चयन के सामान्य निर्देश/अंक विभाजन

क्रेडिट – 03, नन खोरठा, कुल अंक – 50

1. प्रश्न पत्र की अवधि दो घंटे की होगी।
2. प्रश्न पत्र के दो खंड होंगे।
3. दिए गए खंड 'क' से पाँच वस्तुनिष्ठ एवं दो लघु उत्तरीय प्रश्न होंगे जिनका उत्तर देना अनिवार्य है।
4. दिए गए खंड 'ख' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

खंड क (वस्तुनिष्ठ)	–	02 X 05 = 10 अंक
खंड क (लघु उत्तरीय)	–	05 X 02 = 10 अंक
खंड ख –		10 X 02 = 20 अंक
		40 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		05 अंक
एक मौखिक परीक्षा		
उपस्थिति –		05 अंक
	कुल	05 अंक

विशेष :–विभागीय शिक्षकों के अतिरिक्त मौखिकी हेतु एक वाह्य परीक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

क्रेडिट – 06, कुल अंक – 100

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. वस्तुनिष्ठ पत्र के दो खंड होंगे – क्रमशः लधुउत्तरीय, वस्तुनिष्ठ एवं दीर्घ उत्तरीय प्रकार के होंगे।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों से जुडा खंड 'क' अनिवार्य होगा।
4. दिए गए खंड 'क' से दो लघउत्तरीय प्रश्न के उत्तर अपेक्षित हैं।
5. दिए गए खंड 'ख' से दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।

खंड क –		01 X 05 = 05 अंक
खंड क –		05 X 02 = 10 अंक
खंड ख –		15 X 04 = 60 अंक
		75 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – एक लिखित परीक्षा		15 अंक
एक मौखिक परीक्षा		
सतत मूल्यांकन सह उपस्थिति –		10 अंक
	कुल –	100 अंक

विशेष :–विभागीय शिक्षकों के अतिरिक्त मौखिकी हेतु एक वाह्य परीक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी।

07/11/2022 07/11/22 07/11/2022 07/11/2022

MIL Communication Skills: Non -Khortha

विषय कोड –

अंक – 50 (वाह्य – 40, आंतरिक – 10)

क्रेडिट – 03

समय – 02 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा –

- विद्यार्थियों में औपचारिक विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेंगे।
- विद्यार्थी पत्र के माध्यम से लेखन कला सीख सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना –

इकाई 1 – पत्र– लेखन (औपचारिक, अनौपचारिक), ज्ञापन	– 01 क्रेडिट
इकाई 2 – निबंध, पल्लवन	– 01 क्रेडिट
इकाई 3 – शब्द विचार, कारक, संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय	– 01 क्रेडिट

सहायक ग्रंथ

- खोरठा व्याकरण – डॉ० गजाधर महतो 'प्रभाकर'
- खोरठा व्याकरण – ए० के० झा
- खोरठा व्याकरण – प्रो० बीरबल महतो
- खोरठा व्याकरण – प्रो० दिनेश कुमार दिनमणि

07/11/2022

07/11/2022 2/11/22

07/11/2022

परिचयात्मक पाठ्यक्रम (INTRODUTORY) 01: लेखन कौशल

कोड–IRC-01 अंक–100 (वाह्य–75, आन्तरिक 25)

क्रेडिट–03 समय–03 घंटे

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगत परिणाम निम्नवत् होगा–

- विधार्थियों में भावों और विचारों को अभिव्यक्त करने कि क्षमता विकसित हो सकेगा।
- व्याकरण की दृष्टि से वे सही वाक्य लिख सकेगें।
- विधार्थी लेखन कला सीख सकेंगे।
- छात्र कार्यालयी खोरठा के स्वरूप से परिचित होकर कार्यालय में खोरठा के प्रयोग में सक्षम हो सकेंगें।
- ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयुक्त होने वाली पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान उनके खोरठा कौशल संवर्धन में सहायक।

प्रस्तावित संरचना–

- लेखन कौशल का महत्व
- लेखन के विविध रूप
- लेखन प्रशिक्षण
- लेखन कौशल के विकास के लिए क्रिया–कलाप
- कार्यालयी खोरठा का स्वरूप
- कार्यालयी खोरठा का क्षेत्र
- कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप
- कार्यालयी खोरठा की समस्याएँ
- कार्यालयी खोरठा के पारिभषिक शब्दावली
- साक्षात्कार, हिंदी–खोरठा अनुवाद

सहायक ग्रंथ–

1. खोरठा भाषा एवं साहित्य– डॉ0 गजाधर महतो 'प्रभाकर'
2. खोरठा भाषा उद्भव एवं विकास–डॉ0 बी0 एन0 ओहदार
3. खोरठा भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन–डॉ0 ए0 के झा
4. खोरठा व्याकरण–प्रो0 दिनेश कुमार 'दिनमणि'

07/1/2022 7/11/22 07/11/2022 07/11/2022

(MAJOR) प्रथम पत्र – 01 खोरठा साहित्य : आदिकाल से आधुनिक काल – रचनाएँ व इतिहास

कोड –

अंक – 100 (वाह्य – 75, आंतरिक – 25)

क्रेडिट – 06

समय – 03 घंटे

पाठ्यक्रम के इस भाग का अधिगम परिणाम निम्नवत् होगा –

- विद्यार्थी पहली शताब्दी से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्द्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संदर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- खोरठा साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- खोरठा साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
- खोरठा के भावगत, भाषागत और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

प्रस्तावित संरचना –

- खोरठा साहित्य के इतिहास का काल विभाजन।
- आदिकाल का नामकरण।
- आदिकालीन परिस्थितियाँ।
- भक्ति काव्य और उसका वर्गीकरण।
- निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप
- सगुण भक्ति काव्य की प्रवृतियाँ।
- निर्गुण भक्ति काव्य की भाषा का स्वरूप।

कवि परिचय एवं रचनाएँ –

- राजा दलेल सिंह, राजा रूद्र प्रताप सिंह,
- पदम दास, भवप्रीतानन्द ओझा
- तितकी राय, भुवनेश्वर दत्त शर्मा व्याकुल।

सहायक ग्रंथ –

1. खोरठा भाषा और साहित्य – डॉ. गजाधर महतो
2. रामकथामृत – श्री निवास पानुरी
3. माटीक पुथइल – विश्वनाथ दसौन्धी 'राज'
4. खोरठा लोक कथा – डॉ. ऐ. के. झा
5. खोरठा लोक साहित्य एक अध्ययन – डॉ. विनोद कुमार
6. खोरठा निबंध – डॉ. बी. एन. ओहदार
7. खोरठा प्रकीर्ण साहित्य – प्रो. बीरबल महतो
8. खोरठा वृहद प्रकीर्ण साहित्य – डॉ. कुमुद लता मेहता एवं श्याम सुन्दर महतो

07/11/2022 07/11/2022 07/11/2022